













डॉ. एस. के. सैनी

# राजगढ़.. अलवर राजस्थान

## हमारी अनजानी धरोहर 71

किया यह जात नहीं है। राजा बाग सिंह गुरुर प्रतिहार वंश के राजा थे।

स्टेशन से ट्रेन के द्वारा यात्रा करने के दौरान भी जब हम अलवर से जयपुर की ओर आते हैं तो हमारे भाई और राजगढ़ स्टेशन के बाहर ही यह दुर्ग स्टेशन खिड़की से दिखाई देता है।

कच्छावा राजकुमार प्रताप सिंह ने जब अलवर को जयपुर से अलग राज्य के रूप में स्थापित किया तो सबसे पहले राजगढ़ में ही अपने राजधानी स्थापित की। उसके बाद राजकुमार विनव लिंग ने इस दुर्ग के चारों ओर पर कोटा खिचवाया और चारों तरफ खाई की निर्माण किया। परिधि होने के कारण यह परिधि दुर्ग की श्रेणी में भी आता है।

दुर्ग के अंदर आने को महल है और सबसे ऊंचा शीश महल है शीश महल में राजा भाग सिंह ने निर्माण



किया यह जात नहीं है। राजा बाग सिंह गुरुर प्रतिहार वंश के राजा थे।

स्टेशन से ट्रेन के द्वारा यात्रा करने के दौरान भी जब हम अलवर से जयपुर की ओर आते हैं तो हमारे भाई और राजगढ़ स्टेशन के बाहर ही यह दुर्ग स्टेशन खिड़की से दिखाई देता है।

कच्छावा राजकुमार प्रताप सिंह ने जब अलवर को जयपुर से अलग राज्य के रूप में स्थापित किया तो सबसे पहले राजगढ़ में ही अपने राजधानी स्थापित की। उसके बाद राजकुमार विनव लिंग ने इस दुर्ग के चारों ओर पर कोटा खिचवाया और चारों तरफ खाई की निर्माण किया। परिधि होने के कारण यह परिधि दुर्ग की श्रेणी में भी आता है।

दुर्ग के अंदर आने को महल है और सबसे ऊंचा शीश महल है शीश महल में राजा भाग सिंह ने निर्माण



